6-पर्यायवाची (समानार्थी) शब्द

एक जैसे अर्थ का बोध कराने वाले शब्द समानार्थी या पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।

प्रमुख उदाहरण-

हृदय – छाती, वक्ष, वक्षस्थल, हिय, उर, सीना।
हिमालय – हिमगिरी, हिमाचल, गिरिराज, पर्वतराज, नगेश, नगाधिराज, हिमवान, हिमाद्रि, शैलराट।
हाथी – गज, हस्ती, द्विप, वारण, वसुन्दर, करी, कुन्जर, दंती, कुम्भी, वितुण्डा, मतंग, नाग, द्विरद, सिन्धुर, गयन्द, कलभ, सारंग, मतगंज, मातंग, हरि, वज्रदन्ती, शुण्डाल।
हाथ – कर, हस्त, पाणि, बाहु, भुजा, भुज।
हरिण – मृग, कुरंग, चमरी, सारंग, कृष्णसार, तृनजीवी।
हनुमान– पवनसुत, पवनकुमार, महावीर, आञ्जनेय, रामदूत, मारुततनय, बजरंग, कपीश, अंजनीपुत्र, रामभक्त, मारुतिनन्दन, बजरंगबली।
हंस – मराल, चक्रंग, सूर्य, आत्मा, मानसौक, कलकंठ, सिपपक्ष, कारण्डव।
स्वामी – ईश, पति, नाथ, साँई, अधिप, प्रभु।
स्वर्ग- सुरलोक, देवलोक, दिव्यधाम, ब्रह्मधाम, द्यौ, परमधाम, त्रिदिव, दयुलोक, सुरलोक, देवलोक, परमधाम, त्रिदिव, दयुलोक, बैकुण्ठ, गोलोक, परलोक, नाक, द्यौ, इन्द्रलोक, दिव।
स्तन – उरोज, थन, कुच, वक्षोज, पयोधर।
सोना – हाटक, कनक, सुवर्ण, कंचन, हेम, कुन्दन, हिरण्य, स्वर्ण, चामीकर, तामरस।
सेना – कटक, सैन्यदल, फौज, वाहिनी दल, अनीक, चमू ।
सूर्य – रवि, सूरज, दिनकर, प्रभाकर, आदित्य, दिनेश, भास्कर, दिवाकर, मार्तण्ड, अंशुमाली, दिननाथ, अर्क, तमरि, भूषण, तरणि, पतंग, मित्र, भानू, सविता, छायानाथ, मरीची, दिवसाधिप, विवस्वान, विभावसु, अम्बर, मणि, खग, गभस्तिमान, हिरण्यगर्भ, नक्षमाधिपति, सूर, वीरोचन, पूषण, अर्यमा, चक्रबन्धु, कमलबन्धु, हरि, सप्ताश्व, द्वादशात्मा, ऊष्मरश्मि, असुर, विकर्तन, गृहपति, सहस्रांशु, पद्माक्ष, तेजोराशि, महातेज, तमिस्रहा, जगच्चक्षु, प्रद्योतन, खद्योत, सारंग, मित्र।
सुन्दरता – लावण्य, सौम्यता, रमणीयता, शोभा, स्त्री, कमनीयता, चारुता, रुचिरता, छवि, कांति, रम्यता, सौन्दर्य, छटा, सुषमा।
सुन्दर – रुचिर, चारु, सुहावन, सौम्य, मोहक, रमणीय, ललित, चित्ताकर्षक, ललाम, कमनीय, रम्य, कलित, मंजुल, मनोज, मनभावन।
सुगन्ध – खुशबू, सुरभि, सौरभ, सुवास, तर्पण, सुगन्धि, मदगंध, महक।
सीता –जानकी, वैदेही, जनकसुता, जनकतनया, जनकात्मजा, अवनिजा, अवनिसुता, मैथिली, उर्वीजा, महीसुता, रामप्रिया, भूमिजा, अयोनिज, जनकदुलारी, सिया।
सिंह – केसरी, शेर, महावीर, हरि, मृगपति, वनराज, शार्दूल, नाहर, सारंग, मृगराज, मृगेन्द्र, पंचमुख, हर्यक्ष, पञ्चास्य, पारीन्द्र, श्वेतपिंगल, पंचशिख, भीमविक्रम, केशी, मृगारि, कव्याद, नखी, विक्रान्त, दीप्तपिंगल, पुण्डरिक, पंचानन।
साँप – सर्प, नाग, अहि, व्याल, भुजंग, विषधर, उरग, पन्नग, फणी, चक्षुश्रुवा, श्वसनोत्सुक, पवनासन, फणधर।
सहेली- अलि, भटू, संगिनी, सहचारिणी, आली, सखी, सहचरी, सजनी, सैरन्ध्री।
सरस्वती – भाषा, वाणी, वागीश्वरी, इला, विधात्री, भारती, शारदा, वीणाधारिणी, वाक्, गिरा, वीणापाणि, वाग्देवी, वीणावादिनी, ब्राह्मी, वाचा, गिरा, वागीश, महाश्वेता, श्री, ईश्वरी, संध्येश्वरी, हंसवाहिनी, ज्ञानदायिनी, श्वेता, श्वेतवसना, महाश्वेता, शारदा, विमला, निधात्री, कर्णिका, गिरा, वागेश्वरी, शुभ्रवस्त्रा, पद्मासना।
समुद्र – जलधि, सिंधु, सागर, रत्नाकर, उदधि, नदीश, पारावार, वारिधि, पयोधि, अर्णव, नीरनिधि, तोयधि, वननिधि, वारीश, कंपति।
समीप- सन्निकट, आसन्न, निकट, पास।
संसार – जग, जगत्, भव, विश्व, जगती, दुनिया, लोक, संसृति।
संध्या – सायंकाल, गोधूलि, निशारंभ, दिनांत, दिवावसान, पितृप्रसू, प्रदोष, सायम्।
षडयंत्र – कुचक्र, दुरभिसंधि, अभिसंधि, साजिश, जाल।
श्वेत – शुभ्र, ध्वल, सफेद, शुक्ल, वलक्ष, अमल, दीप्त, उज्ज्वल, सित।
श्वास- प्राण, साँस, दम, संजीवनी, वायु।
शेषनाग – अहीश, धरणीधर, सहस्रासन, फणीश।
शिष्ट – सभ्य, सुशील, सुसंस्कृत, विनीत।
शिशु- बालक, बच्चा, बाल, लड़का।

Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

शिशिर- जाड़ा, शीतकाल, पाला, सर्दी, ठंडी।
शिव– महेश, पशुपति, शकंर, चंद्रशेखर, भूतेश गिरीश, नीलकण्ड, श्रीकण्ठ, महादेव, त्रिलोचन, रूद्र, हर, उमापति, व्योमकेश, महेश्वर, वामदेव, सर्वज्ञ, स्मरारि, भोलेनाथ, शम्भु, त्रिपुरारि, देवाधिदेव, कैलाशपति, मदनारि, चन्द्रमौलि, शितिकण्ठ, शिरश्चचन्द्र, शर्व, गंगाधर, भूतनाथ, गिरिजापति, कदर्पी, ईश, भव, शेषधर, आशुतोष, रुद्र, नीलकंठ, अग्निकेतु, शम्भु, शम्भू, ईश, चन्द्रशेखर, शूली, महेश्वरी, शर्व, शव, भूतेश, पिनाकी, उग्र, कपर्दी, श्रीकंठ, विरूपाक्ष, विलोचन, कृशानुरेत, सर्वज्ञ, धूजर्टि, उमापति, पंचानन, ऋतुध्वंसी, स्मरहर, मदनारि, अहिर्बुध्न्य, महानट, गौरीपति, कापालिक, दिगम्बर, गुड़ाकेश, चन्द्रापीड़, श्मशानेश्वर, वृषांक, अंगीरागुरु, अंतक, अंडधर, अंबरीश, अकंप, अक्षतवीर्य, अक्षमाली, अघोर, अचलेश्वर, अजातारि, अज्ञेय, कामेश्वर, कालकंठ, कालभैरव, काशीनाथ, कृत्तिवासा, केदारनाथ, कैलाशनाथ, क्रतुध्वसी, क्षमाचार, गंगाधर, गणनाथ, हरिशर, हिरण्य, हुत।
शिकारी – बहेलिया, अहेरी, व्याध, लुब्धक।
शिकार – आखेट, मृगया, अहेर।
शहद – मधु, मकरंद, पुष्परस, पुष्पासव।
शरीर – देह, तन, काया, कलेवर, वपु, गात, विग्रह, तनु, घट, बदन, अवयव, अंगी, गति, काय।
शराब- मदिरा, दारू, वारुणी, मय, सुरा।
शब्द – ध्वनि, रव, नाद, निनाद, स्वर।
यशोदा- यशोमति, जसोदा, नंदरानी।
यमुना– जमुना, सूर्यतनया, कालिन्दी, भानुजा, तरणि-तनूजा, रवितनया, रविसुता, अर्कजा, सुर्यसुता, कालगंगा, कृष्णा, अर्कसुता, तरणिजा, रविनन्दनी, सूर्यजा, अर्कजा, रवितनया, श्यामा।
यमराज – धर्मराज, यम, काल, पितृपति, दंडकर, सूर्यपुत्र, जीवनपति, अन्तक, शमन, कृतान्त, जीवितेश, मृत्युपति, नरदण्डधर, श्राद्धदेव, दण्डधर, कीनाश, हरि, जीवनपति, कृतांत।
मोर – मयूर, केकी, शिखी, वर्हि, कलाधर, कलापी, कलकंठ, नीलकंठ, सारंग, भुजंगभुक्, शिखाबल, चन्द्रकी, मेघानन्दी, शिखण्डी, क्षितिपति, अधिपति।
मोती – मुक्ता, मौक्तिक, सीपिज, शशिप्रभा।
मोक्ष – मुक्ति, निर्वाण, कैवल्य, अपवर्ग, अमृतपद।
मैना – सारिका, चित्रलोचना, कलहप्रिया, मधुरालय, सारी।
मेंढक – मंडूक, दादुर, वर्षाभू, शातुर, दुर्दर, मण्डूक।
मृत्यु- देहांत, मौत, अंत, स्वर्गवास, निधन, देहावसान, पंचत्व, इंतकाल, काशीवास, गंगालाभ, निर्वाण, मरण।
मृगतृष्णा- मरीचिका, मृगमरीचिका।
मूर्ख – मूढ़, अज्ञ, अज्ञानी, वालिश।
मूँगा- प्रवाल, रत्तांग, विद्रुम, रत्तमणि।
मुर्गा – कुक्कुट, ताम्रचूड़, उपाकर, अरुणशिखा।
मुनि – साधु, महात्मा, संत, बैरागी, तापस, तपस्वी, संन्यासी।
शत्रुघ्न – रिपुसूदन, शत्रुहन, शत्रुहन्ता।
शत्रु – रिपु, बैरी, विपक्षी, अरि, अराति, दुश्मन, विरोधी, द्वेषी, अमित्र।
वृक्ष- तरु, अगम, पेड़, पादप, विटप, गाछ, दरख्त, शाखी, विटप, द्रुम।
वीर्य- शुक्र, धातु, बीज, बल, शक्ति, ताकत, वीरता, मर्दानगी, मुख-आभा।
विहंग- पक्षी, चिड़िया, पखेरु, खग।
विष्णु – नारायण, केशव, उपेन्द्र, माधव, अच्युत, गरुड़ध्वज, हरि, चक्रपाणि, दामोदर, रमेश, मुरारी, जनार्दन, विश्वम्भर, मुकुन्द, ऋषिकेश, लक्ष्मीपति, विधु, विश्वरूप, जलशायी, सारंगाणि, बनमाली, पीताम्बर, चतुर्भुज, अधोक्षज, पुरुषोत्तम, श्रीपति, वासुदेव, मधुसूदन, मधुरिपु, पद्मनाभ, पुराणपुरुष, दैत्यारि, सनातन, शेषशायी।
विवाह- शादी, गठबंधन, परिणय, व्याह, पाणिग्रहण।
वियोग – बिछोह, विरह, जुदाई, विप्रलंब।
विधवा – पतिहीना, अनाथा, राँड।
वात्सल्य – स्नेह, लाडप्यार, ममता, लालन, शिशु–प्रेम।
वसन्त- मधुमास, माधव, कुसुमाकर, ऋतुराज।
वल्लभ- पति, स्वामी, प्राणेश्वर, शौहर, खाविन्द।
वर्षा – बरसात, पावस, बारिश, वर्षण, बरखा।
वर्ष – साल, बरस, अब्द, वत्सर।
वरुण – अम्बुपति, सागरेश, प्रचेता, समुद्रेश, पाशी।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

वध- घात, हिंसा, प्रतिघातन, हत्या, कत्ल।
वणिक- व्यापारी, व्यवसायी, रोजगारी, बनिया।
वज्र- कुलिस, पवि, अशनि, दभोलि।
लोहा — अयस, लौह, सार।
लहर — तरंग, ऊर्मि, वीचि।
लता — वेलि, वल्लरी, वीरुध, बेल।
लक्ष्य- निशान, उद्देश्य, निर्दिष्ट स्थान, ठिकाना, मंजिल।
लक्ष्मी– कमला, सिन्धुसुता, रमा, इन्द्रिया, हरिप्रिया, चंचला, चपला, विष्णुवल्लभा, श्री, पद्मा, पद्मासना, क्षीरोदतनया, लोकमाता, भार्गवी, इन्दिरा, समुद्रजा, विष्णुप्रिया, कमलासना, कमलालया, पद्मानना, क्षारोदा, विष्णुवल्लभा, सिन्धुजा ।
लक्ष्मण – सौमित्र, रामानुज, लखन, शेष, शेषावतार, अनंत, मेघनादारि।
रोगी — बीमार, अस्वस्थ, रुग्ण, व्याधिग्रस्त, रोगग्रस्त।
रोग- व्याधि, बीमारी, रुग्णता, अस्वस्थता।
रावण – दशानन, दशकण्ड, दशशीश, लंकेश, दशकंध, दैत्येन्द्र, दशवदन, दशकंधर, लंकापति,लंकाधिपति, राक्षसराज।
रामचन्द्र – राम, दशरथनंदन, दशरथसुत, रघुकुलमणि, सियावर, रघुकुलतिलक, रघुपति, राघव, रघुनन्दन, रघुवर, दाशरथि, रघुराज, सीतापति, अवधेश, जानकीवल्लभ, रावणारि, पुरुषोत्तम, रघुवीर, जानकीपति, खरारि, रामचन्द्र- रघुनाथ, रघुराज, कमलेन्द्र, कौशल्यानन्दन।
राधा — वृषभानुजा, ब्रजरानी, कृष्णप्रिया, हरिप्रिया, वृषभानुनंदिनी, राधिका।
रात्रि — रात, रजनी, निशा, क्षपा, वामा, रैन, यामिनी, शर्बरी, यामा, त्रिभामा, विभावरी, तमी, क्षणदा, तमिसा, राका, सारंग।
राजा — नृप, महीप, नरेश, भूप, नरेन्द्र, भूपति, नृपति, अहिपति, महीपति, भूपाल, राव, अवनिपति, महीश, पार्थिव, महिपाल, अवनीश, क्षोणीव, क्षितिपति, अधिपति।
रक्त — खून, लहू, रुधिर, लोहित, शोणित।
यौवन- युवावस्था, जवानी, जोबन, तारुण्य, तरुणावस्था।
युवती- किशोरी, तरुणी, श्यामा, बाला, कुमारी, रमणी, यौवनवती।
युधिष्ठिर- कौन्तेय, धर्मराज, धर्मपुत्र, अजातशत्रु।
युद्ध — रण, संग्राम, समर, लड़ाई, विग्रह, आहव, संख्य, संयुग, संगर।
यशोधरा- गौतम-पत्नी, गौतमी, गोपा।
मुख — मुँह, चेहरा, वदन, आनन।
मित्र — संगी, साथी, सहचर, दोस्त, सखा, सुहृद, मीत, मितवा, यार।
माता — माँ, जननी, अम्बा, धात्री, प्रसू, अम्बिका, प्रसूता, प्रसविनी, प्रसवित्री, मैया, मात, अम्मा, जन्मदायिनी।
मांस — आमिष, गोश्त, पलल, पिशित।
मदिरा — दारू, शराब, सुरा, मद्य, मधु, वारुणी, कादम्बरी, माधव, हाला।
मछली — मकर, शफरी, मीन, मत्स्य, झख, पाठीन, झष।
मक्खन — नवनीत, लौनी, माखन, दधिसार।
भ्राता — भाई, बान्धव, सगर्भा, सहोदर, भातृ, तात, बन्धु।
भौंरा — मधुप, भ्रमर, अलि, मधुकर, षटपद, भृंग, चंचरीक, शिलीमुख, मिलिंद, मारिन्द, मधुलोभी, मकरन्द, द्विरेफ, मधुवत, मधुसिंह।
भैंस — महिषी, कासरी, सैरिभी, लुलापा।
भेषज- औषध, दवा, दवाई, औषधि।
भिखारी — भिक्षुक, याचक, मँगता, मँगन, भिक्षोपजीवी।
भालू — रीछ, जंबू, ऋक्ष्य।
भाग्य — ललाट, तकदीर, भाग, अंक, भाल, किस्मत।
भविष्य- भावी, अनागत, होनी, आगामी समय।
भय — त्रास, डर, आतंक, भीति।
ब्राह्मण — द्विज, विप्र, अग्रजन्मा।
ब्रह्मा– आत्मभू, स्वयम्भू, चतुरानन, पितामह, हिरण्यगर्भ, लोकेश, विध, विधाता, विरंचि, विधना, सृष्टा, प्रजापति, अज, कमलासन, हंसवाहन, कर्त्तार, अण्डज, नाभिजन्मा, सदानन्द, गिरापति, धाता, सुरजेष्ठ, परमेष्ठी, स्रष्टा, अब्जयोनि, गर्भकर्त्ता, सृष्टिकर्त्ता, गिरापति, चतुर्मुख, नाभिज, पद्मयोनि, रजोमूर्ति, धाता।
ब्याह — शादी, विवाह, परिणय, पाणिग्रहण।
बैल — वृषभ, वृष, ऋषभ, नंदी, शिखी।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

बृहस्पति – सुरगुरु, देवाचार्य, वाचस्पति, आंगिरस।
बुद्धि – मति, मेधा, धी, मनीषा, प्रज्ञा, अक्ल, विवेक।
बुद्ध- ज्ञानी, ज्ञानवान, विद्वान, बुद्धिमान, ज्ञान, गौतम, सिद्धार्थ।
बिल्ली – मार्जारी, विलास, विड़ाल।
बिजली – शम्पा, घनवल्ली, करका, शतहदा, हादिनी, ऐरावती, क्षणप्रिया, तड़ित, सौदामिनी, विद्युत, चंचला, चपला, दामिनी, बिज्जु, बिजुरी, अशनि, क्षणप्रभा।
बालू- रेत, बालुका, रेणुका, रेणु, रेती, सैकत, शिलाकण।
बालिका- कन्या, लड़की, किशोरी, युवती।
बालक – शिशु, बच्चा, शावक।
बादल – पयोद, वारिद, जलद, नीरद, तोयद, अम्बुद, मेघ, पयोधर, जलधर, अब्द, बलाहक, कन्द, अभ्र, घन, पर्जन्य, वारिवाह, तड़ित्वान, सारंग, जीयूत, घुख।
बाण – तीर, शायक, शिलीमुख, नाराच, शर, विशिख, कलाप, आशुग।
बाज – श्येन, शशदिन, कपोतारि।
बहिन – सहोदरा, भगिनी, सहगर्भिणी, बान्धवी।
बसंत – ऋतुराज, माधव, कुसुमाकर, मधुऋतु, मधुमास, मधु।
बलराम– बलभद्र, रेवतीरमण, अच्युताग्रज, राज, हलायुध, रोहिणेय, मुसली, हली, बलदेव, श्यामबन्धु, बलवीर, हलधर, संकर्षण।
बर्फ – तुषार, हिम, तुहिन, नीहार।
बन्दर – वानर, मर्कट, शाखामृग, हरि, लंगूर, कपि, कीश।
फूल – कुसुम, सुमन, पुष्प, मंजरी, प्रसून, फलपिता, पुहुप, लतांत, प्रसूमन।
फसल- शस्य, पैदावार, उपज, खिरमन, कृषि- उत्पाद।
प्रेम- प्रीति, मुहब्बत, प्यार,मोह, माया, स्नेह, अनुराग, लगाव, चाह, दुलार।
प्रेक्षागार- रंगशाला, नाट्यशाला, नाट्यगृह, अभिनयशाला, प्रेक्षागृह।
प्रातःकाल- उषाकाल , प्रात, प्रातः, तड़का, प्रभात, सवेरा, विहान, भोर, उदयकाल, अरूणोदय, कल, दिनमुख, सकाल, अमृतबेला, सूर्योदय।
प्रसन्न – खुश, हर्षित, प्रसादपूर्ण, आनन्दित।
प्रकाश – रोशनी, आलोक, उजाला, प्रभा, दीप्ति, छवि, ज्योति, चमक, विकास।
प्यास – पिपासा, तृषा, तृष्णा, तिषा, तिष, पिष।
पेड़ – विटप, द्रुम, तरू, वृक्ष, पादप, रुख, शारणी, भूरुह, शाखी।
पृथ्वी- धरती, उर्वि, वसुन्धरा, अचला, क्ष्मा, कु, भू, क्षोणी, विपुला, जगती, पुहिम, धरा, धरणी, रसा, मही, वसुमति, मेदिनी, गह्वरी, धात्री, क्षिति, भूमि, अनन्ता, अवनि, तृणधरी, धरित्र, रत्नगर्भा।
पुत्री – बेटी, आत्मजा, तनुजा, सुता, तनया, दुहिता, नन्दिनी, लड़की।
देवता – सुर, अजर, अमर, देव, विवुध, गोवर्ण, निर्जर, वसु, आदित्य, लेख, वृन्दारक, अजय, सुमना, अमर्त्य, त्रिदश, ऋभु, सुपर्वा, दिदिवेश, त्रिवौकस, आदितेय।
दूध – क्षीर, पय, दुग्ध, गोरस, सरस।
दुर्गा – चंडिका, भवानी, कुमारी, कल्याणी, महागौरी, कालिका, शिवा, चामुण्डा, चण्डी, सुभद्रा, कामाक्षी, काली, अम्बा, शेरावाली, ज्वाला, गौरी, सिंहवाहिनी, कामाक्षी, नारायणी, भगवती, महामाया, शक्ति, दुर्गे, दुर्गतिशमनी, दुर्गापद्धिनिवारिणी, दुर्गमच्छेदनी, दुर्गसाधिनी, दुर्गनाशिनी, दुर्गतोद्धारिणी, दुर्गनिहन्त्री, दुर्गमापहा, दुर्गमज्ञानदा, दुर्गदैत्यलोकदवानला, अभया, दुर्गमा, दुर्गमालोका, दुर्गमाम्मस्वरूपिणी, दुर्गमार्गप्रदा, दुर्गमविद्या, दुर्गमाश्रिता, दुर्गमज्ञानसंस्थाना, दुर्गमोहा, दुर्गमध्यानभासिनी, दुर्गमगा, दुर्गमार्थस्वरूपिणी, दुर्गमासुर, संहत्री, दुर्गमायुधधारिणी, धात्री, दुर्गमांगी, दुर्गमता, दुर्गदारिणी, शाम्भवी, चामुण्डा, अजा।
दुःख – पीड़ा, क्लेश, वेदना, यातना, खेद, कष्ट, व्यथा, शोक, यन्त्रणा, सन्ताप, संकट, श्वेद, क्षोभ, विषाद, उत्पीड़न, पीर, लेश।
दीवाली- दीपावली, दीपमाला, दीपमालिका, दीपोत्सव।
दिव्य – अलौकिक, लोकोत्तर, स्वर्गिक, लोकातीत, प्रकाशवान, चमकीला, मनोहर, सुन्दर, भव्य।
दिमाग- मस्तिक, जेहन, मगज, भेजा, स्मरण शक्ति, मानसिक शक्ति, बुद्धि, प्रज्ञा, मेधा।
दिन – वासर, वासक, दिवस, दिवा, अह्न, आह्न, अहिं, अहः, वार।
दानव- असुर, राक्षस, निशाचर, दैवारि।
दाँत – दन्त, रद, दशन, रदन, द्विज, मुखक्षुर।
तलवार – असि, चन्द्रहास, खड्ग, कृपाण, करवाल, खंग।
तरुवर- वृक्ष, पेड़, द्रुम, तरू, विटप, रुंख, पादप।
तरकस- तूण, तूणीर, तूणीर, त्रोण, निषंग, इषुधी।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

तरंग- लहर, ऊर्मि, उल्लोल, हिलोर, कंपन, मौज, लहर।
तपस्वी- तापस, मुनि, संन्यासी, व्रती, योगी, साधू, बैरागी।
पुत्र – बेटा, आत्मज, सुत, वत्स, तनुज, तनय, नंदन, लाल, लड़का, पूत, सुवन।
पिता- जनक, जनपिता, बाप, बापू, बाबू, जन्मदाता, पितृ, पापा, अब्बा।
पाला – हिम, तुषार, नीहार, प्रालेय।
पार्वती – शैलजा, उमा, गिरिजा, भवानी, गौरी, अम्बिका, शिवा, दुर्गा, गिरिराजकुमारी, सती, शैलसुता, ईश्वरी, रुद्रानी, आर्या, अभया, सर्वमंगला, मैनासुता, हेमवती, रुद्राणी अंबा, ईशानी, कात्यायिनी, शंकरी, अपर्णा, गिरितनया, आर्या, मैनादुलारी।
पाप – अघ, पातक, दुष्कृत्य, अधर्म, अनाचार, अपकर्म, जुल्म, अनीत।
पानी- जल, नीर, सलिल, अंबु, अंभ, उदक, तोय, जीवन, वारि, पय, अमृत, मेघपुष्प, सारंग।
पान – ताम्बूल, नागरबेल, मुखमंडन, मुखभूषण।
पहाड़ – पर्वत, अचल, गिरि, नग, भूधर, महीधर, शैल, अद्रि, मेरु, धराधर, नाग, गोत्र, शिखरी, तुंग।
पशु- जानवर, चतुष्पद, चौपाया, मवेशी, डंगर, ढोर, मवेशी।
पवन – वायु, समीर, हवा, मारुत, प्रकम्पन, समीरण, अनिल, बयार, वात, प्रभंजन, प्राण, पवमान, नभप्राण, मृगवाहन।
पर्वत- पहाड़, गिरि, अचल, भूमिधर, तुंग आद्रि, शैल, धरणीधर, धराधर, नग, भूधर, महीधर।
पराग – रज, पुष्परज, केशर, कुसुमरज।
परशुराम – भृगुसुत, जामदाग्नय, भार्गव, परशुधर, रेणुकातनय, भृगुनंदन
पथ – राह, रास्ता, मार्ग, बाट, पंथ।
पत्नी – भार्या, दारा, सहधर्मिणी, वधु, गृहिणी, बहू, कलम, प्राणप्रिया, प्राणवल्लभा, तिय, वामा, वामांगीत्रिया, अर्द्धांगिनी, गृहिणी, कलत्र, कान्ता, अंगना।
पत्थर – पाषाण, शिला, पाहन, प्रस्तर, उपल।
पत्ता – पर्ण, पल्लव, दल, किसलय, पत्र।
पति – भर्ता, वल्लभ, स्वामी, बालम, अधिपति, भरतार, अधिईश, कान्त, नाथ, आर्यपुत्र, वर, प्राणाधार, प्राणेश, प्राणप्रिय।
पण्डित- सुधी, विद्वान, कोविद, बुध, धीर, मनीषी, प्राज्ञ, विचक्षण।
पक्षी – द्विज, शकुनि, पतंग, अंडज, शकुन्त, चिड़िया, विहंगम, विहग, खग, नभचर, खेचर, पंछी, पखेरु, परिन्दा।
नौका- नाव, तरिणी, जलयान, जलपात्र, तरी, बेड़ा, डोंगी, तरी, पतंग।
नौकर – अनुचर, सेवक, किंकर, चाकर, भृत्य, परिचारक, दास।
निर्मल – स्वच्छ, शुद्ध, साफ, उज्ज्वल, पवित्र, पावन।
नियति – प्रारब्ध, भाग्य, होनी, भावी, दैत्य, होनहार।
निंदा – बुराई, अपयश, बदनामी, चुगली।
नाश – विनाश, ध्वंस, क्षय, तबाही, संहार, नष्ट।
नाव – नौका, तरणी, जलयान, तरी, डौंगी, पोत, पतंग, नैया।
नारी – महिला, वनिता, ललना, रमणी, स्त्री, कामिनी, औरत, अबला, तिय, भामा, काम्या, सोम्या, भामिनी, अंगना, कलत्र, तरुणी, त्रिया, प्रमदा, भात्रिनी, बारा, तन्वंगी।
नारद – ब्रह्मर्षि, देवर्षि, ब्रह्मापुत्र।
नश्वर- नाशवान, फानी, क्षयी, क्षणी, क्षर, क्षणिक, भंगुर, मर्त्या।
नर – व्यक्ति, जन, मनुष्य, मनुज, आदमी, पुरुष, मानव, काम्य, सौम्य, नृ।
नया – नूतन, नव, नवीन, नव्य।
नदी – निम्नगा, कूलकंषा, सरिता, सरि, धुनि, आपगा, सरित, नोचगा, तटिनी, प्रवाहिनी, शर्करी, निर्झरिणी, कूलंकषा, जलमाला, नद, तरंगिणी, रजवती, स्रोतस्विनी, शैवालिनी।
नक्षत्र- ऋक्ष, तारा, उडु, तारिका, नखत, नभचर, तमचर।
नकुल – नेवला, महादेव, वंशरहित, युधिष्ठिर का भाई।
ध्वनि – आवाज, स्वर, शब्द, नाद, रव।
ध्वजा – ध्वज, निशान, केतु, पताका, झण्डा, वैजयन्ती।
धनुष – कोदण्ड, चाप, शरासन, कमान, धनु, विशिखासन।
धन – अर्थ, वित्त, सम्पत्ति, द्रव्य, सम्पदा, दौलत, मुद्रा, लक्ष्मी, श्री।
द्रौपदी- कृष्णा, पांचाली, द्रुपदसुता, याज्ञसेनी, सैरंध्री, द्रुपदसुता।
देश – वतन, स्थान, मुल्क, क्षेत्र, झर्झरीक।
झूठ – असत्य, मिथ्या, मृषा, अनृत।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

झरना – प्रपात, निर्झर, उत्स, स्रोता।
झण्डा- ध्वजा, पताका, केतु।
जीव – प्राणी, प्राण, चैतन्य, जान।
जीभ – जिह्वा, रसना, रसज्ञा, रसिका।
जहर – विष, गरल, हलाहल, कालकूट, गर।
जवान – युवा, युवक, तरुण, किशोर।
जल – नीर, सलिल, उदक, अम्बु, तोय, जीवन, वारि, पय, मेघपुष्प, पानी, वन जीवम, पुष्कर, सारंग, रस, पात, क्षीर, धनरस, वसु, अम्भ, शम्बर, अमृत, पानीय, अप।
जन्म – उद्भव, उत्पति, आविर्भाव, पैदाइश।
जंगल – विपिन, कानन, वन, अरण्य, गहन, कांतार, बीहड़, विटप।
जंगम- अस्थायी, अस्थिर, चलनशील, गमनशील, चल, चलायमान, अस्थावर।
छिपकली – गोधिका, विषतूलिका, माणिक्य।
छल – कपट, छद्म, धोखा, व्याज, वंचना, प्रवंचना, ठगी।
चोर – धनक, रजनीचर, तस्कर, मौषक, कुंभिल।
चूहा- मूसा, मूषक, मुसटा, उंदुर।
चूड़ी- कंकण, कंगन, कंगना, चूड़ा।
गन्ना- ईख, इक्षु, उक्षु, ऊख।
गधा – गदहा, खर, गर्दभ, रासभ, वेशर, चक्रीवान, वैशाखनन्दन।
अपमान – अनादर, बेइज्जती, अवमानना, निरादर, तिरस्कार।
अन्य – पर, भिन्न, पृथक, और, दूसरा, अलग।
अनोखा- विलक्षण, विचित्र, असाधारण, अद्भुत, निराला, अजीब, विस्मयजनक, आश्चर्यजनक, अलौकिक, अपूर्व, अद्वितीय, अप्रतिरुप, अनूठा, बेजोड़, चमत्कारिक।
अनुयायी- अनुगामी, मतावलंबी, भक्त, अनुकर्त्ता, अनुगतिक, समर्थक, नौकर, सेवक, अनुचर, चाकर, दास।
अनुमान – अंदाज, तखमीना, अटकल, कयास।
अनुमति – इजाजत, आज्ञा, अनुज्ञा, मंजूरी, स्वीकृति।
अनुपम – अनूप, अपूर्व, अतुल, अनोखा, अद्भुत, अनन्य, अद्वितीय, बेजोड़, बेमिसाल, अनूठा, निराला, अभूतपूर्व, विलक्षण।
अनुज- छोटा भाई, अनुभ्राता, अवरज, कनिष्ठ।
अनुचर – भृत्य, किंकर, दास, परिचारक, सेवक।
अनार – शुकप्रिय, रामबीज, दाड़िम।
अनाथ – यतीम, नाथहीन, बेसहारा, दीन, निराश्रित।
अनाज – अन्न, धान्य, खाद्यान्न, शस्य, गल्ला।
अनंत- असीम, बेहद, निस्सीम, अपरिमित, अविनाशी, नित्य, अक्षम, अक्षुण्ण, अमर, अतिशय, अधिक, अगणित, असंख्य, बहुत, बेशुमार, आकाश, आसमान, नभ, गगन।
केश – बाल, शिरोरुह, कच, कुंतल, पश्म, चिकुर, अलक।
केवट- मल्लाह, माँझी, खेवैया, नाविक।
केला – कदली, भानुफल, रंभा, गजवसा, कुंजरासरा, मोचा।
कृष्ण– नंदनंदन, मुरलीधर, गिरिधर, कन्हैया, वनवारी, श्याम, मोहन, वंशीधर, माधव, नंदलाल, राधारमण, कंसारि, हृषिकेष, मधुसूदन, मुकुन्द, गोपीनाथ, योगीन्द्र, यदुनन्दन, गोविन्द, मुरारी, ब्रजबल्लभ, गोपेन्द्र, नटवर, नागर, कौन्तेय, वनमाली, रणछोड़, जनार्दन, देवकीनन्दन, योगेश्वर, त्रिभंगीलाल, गोपाल, लकुटिधर
कृषक – किसान, हलवाहा, भूमिसुत, खेतिहर, कृषिजीवी, हलधर, अन्नदाता, भूमिपुत्र।
इंद्र का वज्र- कुलिश, वज्र, पवि, अशनि, भिदुर, भेदी शतकोटि।
इंद्र का पुत्र- जयंत, उपेन्द्र, ऐंद्रि।
इंद्र – उर्वशीनाथ, सुनासीर, वज्री, वृत्रहा, नाकपति, सलस्राक्ष, शक्र, सुरपति, देवराज, पुरंदर, शचीपति, अमरपति, देवेश, सुरेश, मधवा, अमरेश, पुरहूत, विबुधेश, वज्रधर, वासव, मेघपति, सुरेन्द्र, सहस्राक्ष, जिष्णु, मघवन, विडौजा, उपेन्द्र, पाकशासक, निर्जरपति, महेन्द्र, वृषा, कौशिक, पाकरिपु, सुत्रामन, सुनासीर, शतमन्यु।
इंदु- चाँद, चंद्रमा, चंदा, शशि, राकेश, मयंक, महताब।
आश्रित- अधीनस्थ, शरणागत, अधीन, निर्भर, मातहत।
आश्रय – अवलंब, सहारा, आधार, प्रश्रय, आसरा।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

आश्रम – कुटी, विहार, मठ, संघ, अखाड़ा।
आवाज- ध्वनि, शब्द, स्वर, वाणी, नाद, निनाद, सुर, तान, रव, सदा, पुकार।
आयुष्मान – चिरायु, दीर्घायु, चिरंजीव।
आयु – उम्र, वय, अवस्था, जीवनकाल।
आम – आम्र, रसाल, सहकार, अमृतफल, अम्बु, सौरभ, मादक।
आभूषण- अलंकरण, अलंकार, भूषण, आभरण, जेवर, गहना।
आपत्ति – विपत्ति, आपदा, संकट, मुसीबत।
आना- आगमन होना, पदार्पण करना, प्रवेश करना, पधारना, शुभागमन, तशरीफ लाना, आ धमकना, आ टपकना, उपस्थित होना, हाजिर होना।
कृतज्ञ – आभारी, उपकृत, अनुगृहीत, कृतार्थ, ऋणी।
कुबेर – यक्षराज, धनेश, धनेश्वर, किन्नरेश, धनाधिप, श्रीद, जनेश्वर, यक्षपति, राजराज, धनद, धनपति, अंलकेश, धनपाल ।
कुत्ता – श्वान, शुनक, गंडक, कूकर, श्वजन।
कुंभ- घड़ा, गागर, घट, कलश।
चाँदी – रजत, रूपक, रूपा, रौप्य, कलधौत, जातरूप।
चाँदनी – चन्द्रिका, कौमुदी, ज्योत्स्ना, चन्द्रमरीचि, उजियारी, अमला, जुन्हाई।
चरण – पद, पग, पाँव, पैर, पाँव।
चतुर – कुशल, प्रवीण, निपुण, योग्य, पटु, नागर, होशियार, दक्ष, चालाक।
चंद्रमा – चांद, चन्द्र, हिमकर, विभाकर, सुधाकर, सारंग, शशि, तारापति, रजनीश, अंशुमाली, मयंक, इंदु, निशाकर, तारकेश, विधु, सोम, सुधांशु, कलानिधि, मृगांक, शशांक, रजनीपति, रजनीकर, निशापति, शशि, ओषधीश, हिमांशु, राकेश, राकापति, द्विजराज, क्षपाकर, नक्षत्रेश, जुन्हैया, निशानाथ, सुधांशु, विधु, दधिसुत, कलानाथ, मृगलांछन, सेतदुति, उडुपति, उडुप, अमृत-निधान, महताब, क्षयनाथ, विश्व विलोचन, राकेन्दु, हियभानु, हियवान, हियकर, मरीचिमाली, क्षयाकर, नक्षत्रेश।
चंदन- मलय, गंधराज, गंधसार, मलयज।
घोड़ी – अश्विनी, वामी, प्रसू, प्रसूका।
घोड़ा – घोटक, अश्व, तुरंग, हय, वाजि, सैन्धव, तुरंगम, बाजी, वाह, तुरग, रविपुत्र।
घृत – घी, नवनीत, अमृत, आज्य, हव्य, सर्पि।
घर – गृह, सदन, गेह, भवन, धाम, निकेतन, निवास, आलय, आवास, निलय, मंदिर, मकान, आगार, निकेत, अयन, आयतन, शाला, ओक, सौध, केत।
घटक- कलश, घड़ा, कुम्भ, संघटक, कारक, तत्व, अवयव, अंग, उपांश, भाग, उपादान।
ग्रीष्म – घाम, निदाघ, ताप, ऊष्मा, गर्मी, उष्ण।
गोबरगणेश- मूर्ख, अनाड़ी, बेवकूफ, जड़।
गेहूँ- कनक, गोधूम, गंदुम।
गूँगा- मूक, आवाक, मौन, चुप, नीरव, वाणीहीन, बेजुबान।
कवि – कल्पक, सृष्टा, काव्यकार, रचनाकार।
कल्पवृक्ष – देवदारू, सुरतरू, मन्दार, पारिजात, कल्पद्रुम, देववृक्ष, सुरद्रुम, कल्पतरू।
कलश – घट, घड़ा, गागर, गगरी, मटका, घटिका, कुंभ, कुट।
कलंक – लांछन, दोष, दाग, तोहमत, धब्बा, कालिख पोतना।
कर्ण – अंगराज, सूतपुत्र, सूर्यपुत्र, राधेय, कौन्तेय।
कर्ण – अंगराज, सूतपुत्र, सूर्यपुत्र, राधेय, कौन्तेय।
कर्ज – ऋण, उधार, देनदारी, देयता।
करुणा – दया, प्रसाद, अनुग्रह, अनुकंपा, कृपा, मेहरबानी।
कमल – नलिन, अरविन्द, उत्पल, राजीव, पद्म, पंकज, नीरज, सरोज, जलज, जलजात, वारिज, शतदल, अम्बुज, पुण्डरिक, अब्ज, सरसिज, इंदीवर, ताम्ररस, कंज, वनज, अम्भोज, सहस्रदल, पुष्कर, कुवलय, पङ्करुह, सरसीरुह, कोकनद।
कमर – कटि, श्रोणि, लंक, मध्यांग।
कबूतर – कपोत, हारीत, परेवा, पारावत, रक्तलोचन।
कपड़ा – वस्त्र, चीर, वसन, अंबर, पट, कर्पट, दुकूल, परिधान।
कण्ठ- ग्रीवा, गर्दन, गला, शिरोधरा।
ओस – तुषार, हिमकण, शबनम, हिमबिंदु।
ओष्ठ – अधर, रदच्छद, लब, किनारा, होठ, ऑंठ।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

<u>ओझल</u> – गायब, लुप्त, अदृश्य, अंतर्धान, तिरोभूत।
<u>ऐश्वर्य</u> – वैभव, सम्पन्नता, समृद्धि, प्रभुत्व, ठाठ–बाट।
<u>एकान्त</u> – सूना, निर्जन, जनशून्य।
<u>ऋषभ</u>- वृष, वृषभ, बैल, पुंगव, बलीवर्द, गोनाथ।
<u>ऋक्षेश</u>- चंद्रमा, चंदा, चाँद, शशि, राकेश, कलाधर, निशानाथ।
<u>ऋक्ष</u>- भालू, रीछ, भीलूक, भल्लाट, भल्लूक।
<u>ऊँट</u> – उष्ट्र, क्रमलेक, मरुयान, लम्बोष्ठ, महाग्रीव।
<u>उर</u>- हृदय, दिल, वक्षस्थल।
<u>उमर</u>- उम्र, वय, अवस्था, आयु, जीवनकाल, वयस।
<u>उपहास</u> – मजाक, खिल्ली, परिहास, मखौल, हास, प्रहसन्न, हँसी, लास।
<u>उपवन</u> – बाग, बगीचा, उद्यान, वाटिका, फुलवारी, गुलशन।
<u>उपमा</u> – तुलना, मिलान, सादृश्य, समानता।
<u>उपजाऊ</u>- उर्वर, उर्वरा, जरखेज, फ़लप्रद।
<u>उपज</u>- शस्य, कृषिफल, पैदावार, फसल, संग्रहीत शस्य, नवोन्मेष, सूझ।
<u>गणेश</u>– गजानन, हेरम्ब, एकदन्त, विनायक, लम्बोदर, गणाधिप, विघ्नराज, गणपति, द्वैमातुर, मूषिकावाहन, गजवदन, विघ्ननाशक, भवानीनन्दन, महाकाय, मोदकप्रिय, मोददाता, जगवन्द्य, गिरिजानन्दन, गौरीसुत, मूषक-वाहन, भवानी-नन्दन, लम्बतुण्ड, वक्रतुण्ड, तुण्डि, विघ्नेश, विघ्नेश्वर, भालचन्द्र, पार्वतीनंदन, सिद्धिसदन।
<u>गज</u>- हाथी, हस्ती, मतंग, कूम्भा, मदकल ।
<u>गंधर्व</u>- देवजन, सुरगायक, विद्याधर, दिव्यगायक, किन्नर।
<u>गंगा</u> – भागीरथी, स्वर्गापगा, आपगा, जाह्नवी, त्रिपथगा, देवनदी, सुरसरि, देवपगा, मन्दाकिनी, अलकनन्दा, विष्णुपदि, सुरधुनि, अमरतरंगिनी, ध्रुवनन्दा, देवसरि, सुरसरित, नदीश्वरी, देवधुनी, स्वर्गनदी, नभोनदी, नभगंगा, विवुधनदी, विवुधा, पुण्यतीया, नदीश्वरी, भीष्मसू।
<u>खिड़की</u> – गवाक्ष, झरोखा, बारी, वातायन, दरीचा।
<u>खल</u> – अधम, दुष्ट, दुर्जन, धूर्त, कुटिल, नीच, पामर, पिशुन, निकृष्ट, शठ।
<u>खरगोश</u>- शश, शशक, खरहा।
<u>खर</u>- गधा, गर्दभ, खोता, रासभ, वैशाखनंदन।
<u>खग</u>- पक्षी, द्विज, विहग, नभचर, अण्डज, शकुनि, पखेरू।
<u>खंभा</u> – यूप, स्तंभ, खंभ, स्तूप।
<u>क्षमा</u> – माफी, सहनशीलता, सहिष्णुता।
<u>क्रोध</u> – गुस्सा, रीस, अमर्ष, रोष, शेष, कोप, कोह, प्रतिघात।
<u>क्रूर</u> – निष्ठुर, निर्मोही, बर्बर, नृशंस, निर्दयी।
<u>कौआ</u> – काक, वायस, पिशुन, करटक, काग।
<u>कोविद</u>- विद्वान, पंडित, विशारद।
<u>कोयल</u> – पिक, कलकंठ, कोकिला, श्यामा, काकपाली, बसंतदूत, सारिका, कुहुकिनी, वनप्रिया, सारंग, कलापी, कोकिल, परभृत।
<u>उपचारिका</u>- परिचारिका, चारिका, सेविका।
<u>उपकार</u> – भलाई, नेकी, हितसाधन, कल्याण, मदद, परोपकार।
<u>उद्यम</u>- उद्योग, यत्न, प्रयत्न, प्रयास, कोशिश, मेहनत, श्रम, परिश्रम, पुरुषार्थ, अध्यवसाय, व्यवसाय, व्यापार, उद्योग धंधा।
<u>उद्देश्य</u>- लक्ष्य, प्रयोजन, ध्येय, साधन, इष्ट, निर्मित, नीयत, मंशा, हेतु, अभीष्ट, तात्पर्य, मतलब, अभिप्राय, प्रयोजन, अर्थ, मकसद।
<u>उदाहरण</u> – दृष्टांत, मिसाल, नजीर, नमूना।
<u>उदास</u>- अन्यमनस्क, विमनस्क, म्लान, अनमना, खिन्न, उचाट, निरुत्साहित, विरक्त, गमगीन, उद्विग्न, म्लान, खिन्न, चिंताकुल।
<u>उदर</u> – पेट, कुक्ष, जठर।
<u>उदय</u> – प्रकट होना, आरोहण, चढ़ना।
<u>उत्सव</u> – समारोह, पर्व, त्यौहार, जलसा, जश्न।
<u>उत्थान</u> – उत्कर्ष, आरोह, चढ़ाव, उत्क्रमण, उन्नति, प्रगति, उन्नयन।
<u>उत्तम</u> – श्रेष्ठ, उत्कृष्ट, प्रवर, प्रकृष्ट, बेहतरीन, अच्छा।
<u>ईश्वर</u> – परमात्मा, प्रभु, ईश, जगदीश, भगवान, परमेश्वर, जगदीश्वर, विधाता, दीनबन्धु, जगन्नाथ, हरि, राम, विश्वम्भर।
<u>ईर्ष्या</u> – जलन, डाह, द्वेष, खार, रश्क, कुढ़न।
<u>ईमानदार</u>- सच्चा, नेकनीयत, दयानतदार, शुद्धमति, निश्छल, निष्कपट, सत्यनिष्ठ, सत्यपरायण, सदाशय, ऋजु।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

ईनाम – उपहार, पुरस्कार, पारितोषिक, बख्शीश।
ईख- गन्ना, ऊख, इक्षु।
इमली- अम्लिका, चिंचा।
इन्द्राणि- इन्द्रवधू, मधवानी, शची, शतावरी, पोलोमी।
गुलाम- दास, सेवक, नौकर, अनुचर, परतंत्र, पराधीन, परवश।
गुलाब – शतपत्र, पाटल, वृत्तपुष्प, स्थलकमल।
गुरु – शिक्षक, अध्यापक, आचार्य, अवबोधक।
गीदड़- श्रृंगाल, सियार, जंबुक, निशामृग, डरपोक, बुझदिल।
गायत्री- वेदमाता, सावित्री, ब्राह्मीसरस्वती।
गाय – गौ, गऊ, गैया, धेनु, सुरभी, गौरी, पयस्विनी, दौग्धी, भ्रदा, ऋषिभि, सुरभिवच्छा, माहेयी।
गला – कण्ठ, ग्रीवा, शिरोधरा।
गरुड़ – वैनतेय, खगकेतु, हरिवाहन, खगेश, पक्षिराज, उरगरिपु।
किरण – रश्मि, कर, मरीचि, मयूख, अंशु, दीधिति, वसु, ज्योति, दीप्ति।
किनारा – तट, तीर, कूल, पुलिन, पर्यंत, बेलातट।
किताब – पोथी, ग्रन्थ, पुस्तक।
आकाश गंगा- आकाशनदी, स्वर्गनदी, मंदाकिनी, नभगंगा, सुरदीर्घिका।
आकाश – गगन, अंबर, नभ, व्योम, अभ्र, अनंत, पुष्कर, अन्तरिक्ष, वियत, शून्य, खे, घनवास, खगोल, तारापथ, आसमान, दिव, शून्यद्या, द्यौ, देवपथ, तारापथ, दुष्कर, महानील, शून्यरव, सुखर्त्यन्, क्यित, विहायस, नाक, द्युस्।
आँसू – अश्रु, नयनजल, नेत्रनीर, नैत्रज, दगजल, दगम्बु।
आँधी – तूफान, चक्रवात, झंझावत, बवंडर।
आँगन – अंगना, प्रांगण, बाखर, बगर, अजिर, बाड़ा।
आँख – नेत्र, नयन, चक्षु, दग, लोचन, अक्षि, नजर, दृष्टि, विलोचन।
अहि- साँप, नाग, फणी, फणधर, सर्प।
अहंकार – दर्प, दम्भ, अभिमान, घमण्ड, गर्व, मद।
अस्त – ओझल, गायब, छिपना, तिरोहित।
असुर – दैत्य, दानव, राक्षस, निशाचर, रजनीचर, दनुज, रात्रिचर, जातुधान, तमीचर, मायावी, सुरारि, निश्चिर, मनुजाद।
अशुभ- अशिव, अपशकुन, अमंगल, अकल्याण, अहित, पाप, अपवित्र, अशुचि, मलिन, दूषित।
अशुद्ध- अपवित्र, दूषित, मलिन, अशुचि, सदोष, दोषयुक्त, ऐबदार, गलत, त्रुटिपूर्ण, झूठा, मिथ्या।
अविवाहिता- युवती, किशोरी, कुमारिका, कुमारी, बाला अल्पवयस्का, कन्या, कुँवारी।
अवमानना- अनादर करना, अपमान करना, निरादर करना, अवहेलना करना, तिरस्कार करना, उपेक्षा करना।
अवनति- अधोगति, अपकर्ष, पतन, ह्रास, उतार, घटाव, गिराव।
अलंकार- आभूषण, भूषण, विभूषण, गहना, जेवर।
अर्थ- धन्, द्रव्य, मुद्रा, दौलत, वित्त, पैसा।
अर्जुन – धनंजय, पार्थ, कौन्तेय, कुन्तिसुत, पांडुनंदन, गुडाकेश, गांडीवधर, किरीटि, श्वेतवाहना, विभत्सुर्विजयी, सव्यसाची, कपिध्वज, सव्यसाचि, धनुर्धर।
अर्चना- आराधना, पूजा, पूजन, अर्चन।
अरण्य – जंगल, अटवी, विपिन, कानन, वन, कान्तार, दावा, गहन, बीहड़, विटप।
अयोध्या- अवध, अवधपुरी, विमला, साकेत।
अमृत – सुधा, पीयूष, अमिय, सोम, सुरभोग, जीवनोदक, अमी, मधु, दिव्य पदार्थ।
अमरूद- पेरुक, अमृतफल, बिही, सफरी ,जामफल।
अभिमन्यु- सौभद्र, पार्थनंदन, पाण्डुपौत्र।
अभिप्राय- तात्पर्य, आशय, विचार, मंतव्य, उद्देश्य, ध्येय, लक्ष्य, प्रयोजन, इरादा, नीयत, मंशा, मुराद, अभिलाषा, इच्छा, आकांक्षा, स्पृहा, कामना।
अभिजात – संभ्रान्त, कुलीन, श्रेष्ठ, योग्य।
अप्सरा- देवांगना, देवबाला, सुरांगना, देवकन्या, सुखनिता, अरुणप्रिया, देववधू, सुरबाला, सुरनारी, सुरसुन्दरी, दिव्यांगना, हूर, परी, सुन्दरी, कामिनी, मोहिनी।
अध्यापक – गुरु, आचार्य, शिक्षक, प्रवक्ता, उपाध्याय।
अध्ययन- पठन, पढ़ना, पढ़ाई, पारायण, अवलोकन, निरीक्षण, प्रेक्षण, पर्यवेक्षण, अनुशीलन, परिशीलन।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

अधिकार – हक, स्वामित्व, स्वत्व, कब्जा, आधिपत्य।
अद्भुत- विचित्र, विलक्षण, आश्चर्यजनक, स्वर्गीय, विस्मयजनक, अनोखा, अप्रतिम, दिव्य, अनूठा, असांसरिक, निराला, अपूर्व, अलौकिक, अपार्थिव, अतिप्राकृत, लोकातीत, अजीब, अजब।
अदृश्य- अलख, अगोचर, ओझल, अंतर्धान, तिरोहित, लुप्त, गायब, परोक्ष।
अतिथि – मेहमान, पाहुना, आगंतुक, अभ्यागत, बटाऊ।
अटल- स्थिर, अचल, अडिग, अविचलित, चिरस्थायी, पक्का, दृढ, ध्रुव, निश्चित, अवश्यम्भावी, नियत, स्थायी, निश्चल, अचर, कृत संकल्प, दृढ़ संकल्प, दृढ़ प्रतिज्ञ, दृढ़ निश्चय, स्थिरमति, हठी, नित्य, अक्षय, शाश्वत, अमर।
अज्ञ- मूर्ख, अज्ञानी, बेवकूफ, नासमझ।
अजेय – अदम्य, अपराजेय, अपराजित, अजित।
अचेत- मूर्च्छित, बेहोश, विकल, विह्वल, असावधान, अनजान, बेखबर, नासमझ, मूर्ख, जड़।
अचूक- अमोघ, अनिष्फल, (साधन, औषध आदि के सन्दर्भ में लाक्षणिक प्रयोग) रामबाण, ब्रह्ममास्त्र।
अचला- धरती, पृथ्वी, मेदिनी, भूमि।
अचल- अविचल, अटल, अडिग, निश्चल, दृढ, स्थिर, अटूट।
अग्रज- बड़ा भाई, बड़भ्राता, अगुआ, नेता, नायक।
अग्नि – पिंगल, दव, धूम्रकेतु, आग, अनल, पावक, वह्नि, ज्वाला, कृशानु, वैश्वानर, धनंजय, दहन, सर्वभक्षी, जातवेद, हुताशन, हव्यवान, ज्वलन, शिखा, वैसन्दर, रोहिताश्व, कृपीटयोनि, तनूनपात, शोचिष्केनश, उषर्बुध, आश्रयाश, वृहदभानु, वायुसख, चित्रभानु, विभावस्, शुचि, अप्पित्त, शिखी, अरूण, दहन, हुतभुक्, ह्रयवाहन ।
अंधकारमय- तमोमय, तमाच्छादित तिमिरावृत्त।
अंधकार – तम, तिमिर, अँधेरा, अँधियारा, ध्वांत, तमिस्र, तमस।
अंतर्धान- गायब, लुप्त, ओझल, अदृश्य।
अंतरिक्ष- खगोल, नभमंडल, गगनमंडल, आकाशमंडल।
अंतःपुर- जनानखाना, रनिवास, हरमखाना, महल के भीतर स्त्रियों के रहने की जगह।
अंतःकरण- अंतर्मन, अंतरात्मा, हृदय, मन।
अंत- समाप्ति, अवसान, इति, इतिश्री, समापन।
अंजन- सुरमा, काजल, आँजन, काजल।
अंगूर- दाख, किशमिश, द्राक्षा।
अंगद- बाजूबंद, भुजबंध, बालिपुत्र, बालिकुमार, तारेय, बालितनय।
काला- श्याम, कृष्ण, कलूटा, साँवला, स्याह।
कार्तिकेय – कुमार, षडानन, शरभव, स्कंद, देवसेनापति, अंबिकेय, पार्वतीनन्दन ।
कामधेनु- सुरभि, सुरसुरभि, सुरधेनु।
कामदेव – अनंग, कंदर्प, मदन, मन्मथ, अदेह, मार, रतिपति, मनोभव, मयन, मनसिज, मकरध्वज, मीनकेतु, मनोज, पंचशर, काम, प्रद्युम्न, स्मर, कुसमेषु, केतन, शम्बरारि, पुष्पधन्वा, पुष्पचाप, अतनु, आत्मभू, कुसुमबाण, विश्वकेतु, मार, कुशुमशर, कुसुमायुध, रतीश, मनजात, झषकेतु, सारंग, पुष्पशायक, पंचबाण, मनोभव, दर्पक, शम्बरारि।
कान्ति – चमक, आभा, प्रभा, सुषमा, द्युति।
कान – कर्ण, श्रवण, श्रवणेन्द्रिय, श्रोत, श्रुतिपुट, श्रुतिपटल।
कस्तूरी – मृगनाभि, मृगमद, मदलता।
कष्ट – दुःख, दर्द, पीड़ा, मुसीबत, व्यथा, कठिनाई, व्याधि, कलेश, विषाद, संताप, वेदना, यातना, यंत्रणा, पीर, भीर, संकट, शोक, श्वेद, क्षोम, उत्पीड़न।
अगोचर- अप्रकट, अव्यक्त, इंद्रियातीत, अप्रत्यक्ष, अप्रकाशित, अप्रकाशमान, गुप्त, ईश्वर।
अगाध- अथाह, गहरा, अज्ञेय, दुर्बोध, अपार, असीम, बहुत।
अगस्त्य- शिव, तीर्थ, दक्षिण का एक प्रसिद्ध तीर्थ, एक ऋषि का नाम, वृक्ष।
अगणित- असंख्य, बेशुमार, अनगिनत, अनंत, अपार, अमित, अपरिमित, असीम, निस्सीम।
अखंड- पूरा, समूचा, पूर्ण, अविभक्त, अजस्र, निरंतर, लगातार, अक्षय, अक्षुण्ण।
अक्षर – हरफ, ब्रह्म, अ आदि वर्ण, अविनाशी, हरुफ।
अकिंचन- गरीब, निर्धन, दीनहीन, दरिद्र।
अकाल – सूखा, दुर्भिक्ष, भुखमरी, कमी, काळ (राजस्थानी)।
अकस्मात- अचानक, सहसा, तत्क्षण, संयोगवश, अकारण, अनायास, दैवयोग, यकायक, हठात, एकाएक, एकदम।
अंधा – नेत्रहीन, सूरदास,चक्षुहीन, विवेकशून्य, दृष्टिहीन।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

इच्छा – अभिलाषा, आकांक्षा, कामना, चाह, ईप्सा, मनोरथ, ईहा, स्पृहा, उत्कंठा, लालसा, वांछा, लिप्सा, काम, चाव।
इंद्रपुरी- अमरावती, देवपुरी, इंद्रलोक, देवलोक।
इंद्रधनुष- इन्द्रायुध, शक्रधनु, ऋजुरोहित।
इंद्र का हाथी- अभ्रमातंग, गजेन्द्र, ऐरावत।
आनन्द – आमोद, प्रमोद, प्रसन्नता, हर्ष, उल्लास, आह्लाद, मोद, मुद, खुशी, मजा, सुख, चैन, विहार।
आन – प्रण, प्रतिज्ञा, हठ, शपथ, घोषणा, मर्यादा।
आधार- नींव, जड़, मूल, बुनियाद, मानदंड, मापदंड, कसौटी, आधारशिला, आधार स्तंभ, मूल तत्व, मूल कारण, सहारा, आश्रय, अवलंब।
आदि- प्रथम, पहला, आरंभिक, आरंभ, शुरुआत, इत्यादि, वगैरह, मूलकारण, बुनियाद, ईश्वर, परमात्मा।
आदर्श – मानक, प्रतिमान, नमूना, प्रतिरूप।
आत्मा – चैतन्य, विभु, जीव, सर्वज्ञ, सर्वव्याप्त, देव, चेतनतत्त्व, अन्तःकरण।
आज्ञा- आदेश, हुक्म, फरमान, शासनादेश, निर्देश, निदेश, अनुशासन, समादेश, इजाजत, सहमति।
आचरण – व्यवहार, चाल–चलन, बरताव।
अंगजा- बेटी लड़की, सुता, आत्मजा, तनुजा, तनया, नंदिनी, दुहिता, पुत्री।
अंगज- बेटा, लड़का, सुत, सुवन, आत्मज, तनुज, तनय, नन्दन, लाल, पुत्र, रोम, केश, बाल।
अंग- अंश, अवयव, हिस्सा, संघटक, घटक, उपादान, खंड, भाग, टुकड़ा, शरीर, तन, देह, गात, गात्र।
अंकुश- नियंत्रण, पाबंदी, रोक, अंकुसी, दबाव, गजांकुश, हाथी को नियंत्रित करने की कील, नियंत्रित करने या रोकने का तरीका।
अंकन- अनुरेखन, प्रत्यंकन, अनुरेखण, रेखानुरेखण, अक्स बनाना, खाका बनाना, लेखन।
अंक- संख्या, नंबर, आँकड़ा, निशान, चिन्ह, छाप, गोद, अंकवार, आँक, दाग, धब्बा।
अँधेर- अँधेरखाता, धाँधली, अन्याय, बेइंसाफी, अशांति, विप्लव।
अँगोछा- गमछा, तौलिया, उपवस्त्र।
अँगूठी- मुद्रा, मुँदरी, छल्ला, मुद्रिका, अंगुष्ठिका, अंगुलीमुद्रा, अंगुश्तरी।
अँगना- कामिनी, वामा, सुंदरी, सुमुखी।
अँकुर- अँखुआ, आँख, कोंपल, कलिका, नोक, प्ररोह, कनखा, भराव, उपरोपिका, किसलय, नवपल्लव।
दल – समूह, झुण्ड, झल, निकर, गण, तोम, वृन्द, पुंज।
दर्पण – शीशा, आरसी, आईना, मुकुर।
दरिद्र – गरीब, विपन्न, धनहीन, निर्धन, कंगाल।
दरवाजा- द्वार, किवाड़, कपाट, पल्ला।
दही - दधि, गोरस, मट्ठा, तक्र।
थोड़ा – कम, जरा, स्वल्प, तनिक, न्यून, अल्प, किंचित, मामूली।
त्वचा – चर्म, चमड़ी, खाल, चाम।
त्रुटि – गलती, कसर, कमी, भूल, संशय, अंगहीनता, प्रतिज्ञा–भंग।
तोता – शुक, कीर, सुआ, वक्रतुण्ड, दाड़िमप्रिय।
तीर- शर, बाण, विशिख, शिलीमुख, अनी, सायक।
तीखा- तीता, कड़ुवा, कटु, तेज।
तालाब – सरोवर, जलाशय, सर, पुष्कर, पोखरा, जलवान, सरसी, तड़ाग, पद्माकर, ह्रद, कासार, पल्वल, पुष्पकरण, सरस, सरस्वत, सत्र, सारंग।
तारा – उडु, नखत, नक्षत्र, तारक, तारिका, ऋक्ष, सितारा।

अनेक अर्थ वाले शब्द (प्रमुख अनेकार्थी शब्द)-

विशेष नोट- अनेकार्थी शब्द के विभिन्न अर्थ या उदाहरण आपस में पर्यायवाची नहीं होते है, वो किसी शब्द विशेष के लिए ही पर्यायवाची होते है, उदाहरण के लिए सारंग के सभी अनेकार्थी शब्द उसके लिए समानार्थी (पर्यायवाची) है, लेकिन उसके अनेकार्थी जैसे कि नाग, कोयल, हाथी, जल, सागर आदि आपस में पर्यायवाची नहीं होंगे, अतः इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिये।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

शब्द **अनेकार्थी शब्द**

सारंग - नाग, कोयल, हाथी, जल, सागर, कोयल, कामदेव, सिंह, बिजली, धनुष, भौंरा, मृग (हिरन), मयूर, स्त्री, कबूतर, खंजन, शेषनाग, नानावर्ण, सुन्दर, सरस, बादल, वृक्ष, छाता, वस्त्र, बाल, शंख, शिव, चातक, पपीहा, कपूर, चन्दन, आभूषण, स्वर्ण मधुमक्खी, विष्णु का धनुष, कमल, सूर्य, चन्द्रमा, सारंगी नामक वाद्य, चंदन, कपूर, साँप।

हिम - बर्फ, चाँद, कमल, मोती, कपूर।

हरिण - मृग, शिव, नेवला, हंस, विष्णु।

हरि - हाथी, विष्णु, पहाड़, सिंह, इन्द्र, घोड़ा, सर्प, बन्दर, वानर, मेढ़क, यमराज, शिव, कृष्ण, किरण, कोयल, हंस।

हर - महादेव, अग्नि, गधा, भाजक।

हंस - प्राण, सूर्य, आत्मा, एक पक्षी।

सुधा - अमृत, पानी।

सर - तालाब, सिर, पराजित।

संग - पत्थर, साथ, आसक्ति।

संख्या - अंक, प्रज्ञा, तरीका, नाम।

संकर - दोगला, योग, गोबर, एक अलंकार।

श्रुति - कान, वेद।

श्री - लक्ष्मी, कमला, चमक, चन्दन।

श्रम - परिश्रम, थकावट, प्रयास, दुःख।

श्यामा - कोयल, यमुना, द्रौपदी, तुलसी, यमुना, रात, राधा।

श्रृंखला - साँकल, कतार, बंधन।

शिलीमुख - भ्रमर, बाण, मूर्ख।

शिखी - बैल, अग्नि, मयूर, पुरूष, मुर्गी।

शिखा - चोटी, ज्वाला, शाखा, दीपक की लौ।

शंबर - जल, बादल, चित्र, युद्ध, व्रत।

शंकु - कील, बाण की नोंक, विष।

व्योम - आकाश, अभ्रक, कल्याण।

वेद - ज्ञान, विष्णु, व्याख्या।

वीथि - पंक्ति, श्रेणी, गली, बाजार।

विरोध - वैर, विपरीत भाव।

विधु - विष्णु, चन्द्रमा, कपूर, राक्षस।

विधि - कानून, रीति, ईश्वर, भाग्य, ढंग।

वितान - फैलाव, राशि, प्रगति, अवसर, घृणा।

विजया - दुर्गा, भाँग।

विग्रह - लड़ाई, शरीर, विच्छेद, देवता की मूर्ति।

वास - गमक, निवास, इच्छा, वस्त्र।

वार - प्रहार, बारी, दिन।

वाम - बायाँ, प्रतिकूल, स्त्री।

वाणी - सरस्वती, सार्थक शब्द, जीभ, सरकंडा।

वशा - स्त्री, बाँझ गाय, बेटी।

वर्ण - जाति, रंग, अक्षर।

वर - दूल्हा, वरदान, श्रेष्ट।

वन - जंगल, उपवन, झरना, फूलों का गुच्छा, जल।

वंश - कुल, पास, बाँसुरी, परिवार।

लिंग - चिह्न, प्रमाण, एक पुराण।

लहर - तरंग, वायु की गति, उमंग, जोश।

लघु - ह्रस्व, छोटा, हल्का।

लक्ष्य - निशाना, उद्देश्य।

राशि - समूह, मेष, कर्क, आदि राशियाँ।

रसाल - आम, गन्ना

रस - प्रेम, काव्य के नौ रस, अर्क, स्वाद, सार।

रश्मि - लक्ष्मी, किरण, लगाम।

यति - योगी, जितेन्द्रिय, ब्रह्मा-पुत्र, विराम।

मूल - जड़, पहला, वृक्ष की जटा।

मुद्रा - मुहर, आकृति, सिक्का, अँगूठी, रुप, धन।

मित्र - दोस्त, सूर्य, प्रिय, साँप।

मयूख - कान्ति, किरण, ज्वाला।

मन्यु - क्रोध, दीनता, यज्ञ, चिन्ता।

मधु - शराब, शहद, बसंत, दूध, मीठा।

मणि - कीमती पत्थर, श्रेष्ठजन, बकरी के गले की थैली।

मकरन्द - कमल, शहद

मंडल - जिला, हल्का, बिम्ब, क्षितिज।

भोर - सुबह, सीधा, भूलने का स्वभाव।

भीत - डरा हुआ, भित्ति, दीवार।

भार्गवी - लक्ष्मी, पार्वती, देवयानी, दूब

भार - काम, बोझा, सहारा, रक्षा।

भाग - हिस्सा, विभाजन, भाग्य।

भव - संसार, शुभ, मेघ, जन्म।

भग - ऐश्वर्य, चाँद, यश, ज्ञान, और वैराग्य।

बेला - एक फूल, वक्ता, समय, बरतन।

बाला - लड़की, आभूषण, वलय।

बस - गाड़ी, वश, समाप्ति।

बलि - राजा बलि, बलिदान, उपहार, कर इत्यादि।

बल - सेना, ताकत, बलराम, शक्ति।

बंध - बंधन, गाँठ, निर्माण, बाँध (नदी के किनारे)।

फल - लाभ, मेवा, नतीजा, पेड़ का फल, तलवार, भाले की नोक।

फन - साँप का फण, हूनर।

प्रवाल - मूँगा, नया पत्ता, वीणादंड।

प्रभाव - सामर्थ्य, असर, महिमा, दबाव।

प्रतीक - चिह्न, प्रतिमा, उल्टा।

पौलस्त्य - रावण, कुबेर, विभीषण, चंद्रमा

पोत - नाव, बच्चा, दाव।

पृष्ठ - पीठ, पत्रा, पीछे का भाग।

पूरण - वृष्टि, मरना, सेतु, सम्पूर्ण।

पूत - पुत्र, पवित्र किया हुआ, शंख।

पुष्कल - स्वर्ण, पर्याप्त

पुष्कर - तालाब, कमल, आकाश, तलवार।

पीठ - पृष्ठभाग, पीढ़ा।

पिशुन - चुगलखोर, केसर, नारद, नीच, क्रूर, मूर्ख।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

पाश – बंधन, रस्सी, पशु।
पानी – जल, चमक, इज्जत ।
पान – पेय, द्रव्य, तांबूल, शराब।
पर – पंख, ऊपर, बाद, किन्तु।
पयोधर – स्तन, बादल।
पय – दूध, अन्न, पानी।
पद – चरण, शब्द, पैर, स्थान, उद्यम, रक्षा, ओहदा, कविता का चरण।
पत्र – पत्ता, चिठ्ठी, पंख।
पति – स्वामी, ईश्वर।
पतंग – सूर्य, पक्षी, टिड्डी, पतिंगा, नौका, गुड्डी।
पक्ष – पन्द्रह दिन का समय, ओर, पंख, बल, घर, सहाय, पार्टी।
निशान – ध्वजा, लक्ष्य, तेज करना, चिह्न, यादगार, पताका।
निशाचर – राक्षस, प्रेत, उल्लू, साँप, चोर।
नागर – चतुर, नागरिक, सोंठ।
नाग – हाथी, पर्वत, बादल, साँप।
नाक – नासिका, स्वर्ग, मान।
नग – पर्वत, वृक्ष, रत्न विशेष, चाव, अचल, नगीना।
नंदा – आनंद, ननद, संपत्ति।
नंद – हर्ष, परमेश्वर, मगधराज, मेढ़क।
धार – प्रवाह, किनारा, सेना।
धाम – घर, शरीर, देवस्थान।
धात्री – उपमाता, पृथ्वी, आँवला।
धनंजय – अग्नि, अर्जुन, नाग।
धन – सम्पति, शुभ कार्य, श्रेय, न्याय, योग।
द्वीप – टापू, आश्रम, हाथी, अवलम्ब।
द्विजि – सर्प
द्विज – पक्षी, दाँत, ब्राह्मण, गणेश।
द्रोण – द्रोणाचार्य, डोंगी, कौआ।
द्रव्य – वस्तु, धन।
दिनेश – उक्ति, भिक्षा, सूर्य, आदेश।
दामोदर – कृष्ण, विष्णु
दल – समूह, सेना, पत्ता, पत्र, नाश, हिस्सा, पक्ष, भाग, चिड़ी।
तीर्थ – देवस्थान, शास्त्र, गुरू।
तीर – बाण, किनारा, तट।
ताल – लय, एक वृक्ष, झील, हड़ताल।
ताक्ष्य – घोड़ा, गरुड़, सर्प, स्वर्ण, रथ।
तारा – आँख की पुतली, नक्षत्र, तारक, प्यारा, बालि की स्त्री, बृहस्पति की स्त्री।
तामरस – कमल, सोना, ताँबा, धतूरा
तात – पूज्य, प्यारा, मित्र, पिता, तप्त।
तल्प – खाट, अटारी, स्त्री।
तमचर – उल्लू, राक्षस, चोर।
तनु – शरीर, मूर्ति, अल्प, कोमल, पतला।
तत्त्व – मूल, वस्त्र, ब्रह्मा, पदार्थ।
तंत्र – दवा, उपासना, पद्धति, सूत, कपड़ा।
ठाट – श्रृंगार, आडंबर।
ठाकुर – देवता, हजाम, क्षत्रिय।
जौ – वेग, अन्न विशेष।
जलधर – बादल, समुद्र।
जलज – कमल, मोती, शंख, मछली, जोंक, चन्द्रमा, शैवाल।
जरा – बुढ़ापा, थोड़ा।
जयन्त – इन्द्रपुत्र, शिव, चाँद, एक ताल।
जड़ – मूल, मूर्ख।
छन्द – इच्छा, पद, वृत्त।
चोटी – शिखर, सिर, वेणी।
चरण – पग, पंक्ति, पद्य का भाग।
चय – समूह, नींव, टीला, तिपाई, किले का फाटक।
चन्द्र – शशि, कपूर, सोना, सुन्दर।
चक्र – पहिया, चाक, भँवर, समूह, बवंडर।
चंचला – लक्ष्मी, स्त्री, बिजली।
घन – बादल, अधिक, घना, गणित का घन, पिण्ड, हथौड़ा ।
घट – घड़ा, देह, हृदय, किनारा।
गोत्र – वंश, वज्र, पहाड़, नाम।
गो – बाण, आँख, वज्र, गाय, स्वर्ग, पृथ्वी, सरस्वती, सूर्य, बैल, इत्यादि।
गुरु – शिक्षक, ग्रहविशेष, श्रेष्ठ, बृहस्पति, भारी, बड़ा, भार।
गिरा – सरस्वती, गिरना, वाणी।
गदहा – गधा, मूर्ख, वैद्य।
गति – पाल, हालत, चाल, दशा, मोक्ष, पहुँच।
गण – समूह, मनुष्य, भूतप्रेतादि, शिव के गण, छन्द में गिनती के पद, पिंगल के गण।
खैर – कत्था, कुशल।
खल – दुष्ट, धतूरा, बेहया, धरती, सूर्य, दवा कूटने का खरल।
खर – दुष्ट, गधा, तिनका, कड़ा, तीक्ष्ण, मोटा, एक राक्षस।
खग – पक्षी, तारा, गन्धर्व, जुगनू, बाण।
खंज – खंजन, लँगड़ा
कौशिक – विश्वामित्र, नेवला, उल्लू, सँपेरा, इन्द्र।
कौपीन – लँगोटा, अकार्य, गीद्ध।
कोटि – श्रेणी, करोड़, गणना।
कोट – परिधान, किला।
कैरव – कुमुद, कमल, शत्रु, ठग।
केतन – ध्वजा, घर, कार्य, आमंत्रण।
केलि – परिहास, खेल, पृथ्वी।
केतु – एक ग्रह, ध्वज, श्रेष्ठ, चमक।
कृष्णा –द्रौपदी, यमुना
कृष्ण – काला, कन्हैया, वेदव्यास।
कृत्स्न – जल, कोख, पेट।
कुरंग – हिरण, नीला, बदरंग।
कुंभ – घड़ा, एक राशि, हाथी का मस्तक।
कुंद – भोंथरा, एक मूल।
काल – समय, मृत्यु, यमराज।
काम – वासना, कामदेव, कार्य, पेशा, धंधा।
कान्तार – टेढ़ा मार्ग, वन।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

कादम्ब - कदम्ब, ईख, बाण, खट्टी मदिरा।
काक - कौआ, लँगड़ा आदमी, अतिधृष्ट।
कस - बल, परीक्षा, तलवार की लचक।
कल्प - सबेरा, शराब।
कलाप - समूह, तरकश, मोर की पूँछ, चाँद, व्यापार।
कलत्र - स्त्री, कमर।
कर्क - केंकड़ा, आग, एक राशि, आईना, सफेद।
कर - हाथ, टैक्स, किरण, सूँड़ ।
कम्बल - आँसू, ऊनी वस्त्र, गाय के गले का रास।
कमल - हिरण, पंकज, ताम्बा, आकाश।
कबंध - जल, बादल, एक राक्षस।
कनक - सोना, धतूरा, पलाश, गेंहूँ।
कक्ष - कमरा, काँख, लता, रनिवास, बाजू।
कंबु - शंख, कंगन।
कंद - शकरकन्द, बादल, मिश्री।
कंटक - घड़ियाल, काँटा, दोष।
कंकण - कंगन, मंगलसूत्र, विवाह-सूत्र।
कंक - यम, क्षत्रिय, युधिष्ठिर।
औसत - बीच का, साधारण, दरमियानी
ओक - पक्षी, शूद्र, मतली, घर, पनाह।
ऐरावती - इरावती नदी, बिजली, वटपत्री।
एकाक्ष - काना, कौवा।
उत्तर - उत्तर दिशा, जवाब, हल, अतीत, पिछला, बाद का इत्यादि।
उग्र - विष, प्रचंड, महादेव।
ईश्वर - परमात्मा, स्वामी, शिव, पारा, पीतल।
इला - सरस्वती, पृथ्वी
इन्द्र - देवराज, राजा, रात्रि।
इतर - दूसरा, साधारण, नीच।
इंगित - संकेत, अभिप्राय, हिलना-डुलना।
आशुग - वायु, तीर, पत्र।
आली - सखी, पंक्ति।
आराम - बाग, विश्राम, रोग का दूर होना, निरोग होना।
आम - आम का फल, सर्वसाधारण, रंज, मामूली, सामान्य।
आभीर - अहीर, एक राग।
आपत्ति - विपत्ति,एतराज।
आनंद - ख़ुशी, मदिरा, शिव, एक छंद।
आत्मा - प्राण, अग्नि, सूर्य।
आँख - नयन, परख, सन्तान, छिद्र।
अहि - सर्प, सूर्य, कष्ट।
अलि - भौंरा, मदिरा, कुत्ता।
अर्थ - मतलब, कारण, लिए, भाव, हेतु, अभिप्राय, धन, आशय, प्रयोजन।
अर्क - इन्द्र, सूर्य, रस।
अरुण - लाल, सूर्य, सूर्य का सारथी, सिन्दूर ।
अरिष्ट - लहसुन, नीम, कौवा।
अयस् - लोहा, सोना, धातु
अमृत - सुधा, जल, अमर, सुन्दर।
अमल - निर्मल, अभ्यास, समय, नशा।
अमर - देवता, पारा, अविनाशी।
अभय - निर्भयता, शिव, निरापद।
अपंग - अपाहिज, तिलक, नेत्रों के कोने।
अन्तर - मध्य, हृदय, व्यवधान, शेष, दूरी, भेद।
अनल - आग, परमेश्वर, जीव, विष्णु।
अनंत - आकाश, ईश्वर, विष्णु, अंतहीन, शेष नाग।
अधिवास - निवास, पड़ोसी, बस्ती, हठ।
अधर - धरती (आकाश के बीच का स्थान), पाताल, नीचा, होंठ।
अतिथि - मेहमान, साधु, यात्री, अपरिचित व्यक्ति, यज्ञ में सोमलता लाने वाला, अग्नि, राम का पोता, या कुश का बेटा।
अण्डज - पक्षी, ब्रह्मा
अटक - बाधा, भ्रमणशील, उलझन।
अज - ब्रह्मा, बकरा, दशरथ का पिता।
अच्युत - कृष्ण, स्थिर, अविनाशी।
अचल - स्थिर, पर्वत, दृढ़।
अग्र - पहाड़, वृक्ष, अचल, मुख्य, आगे, नोंक, शिखर।
अगज - हाथी से भिन्न, पहाड़ से उत्पन्न।
अक्षर - अविनाशी, वर्ण, आत्मा, आकाश, मोक्ष।
अक्ष - आँख, धुरी, आत्मा, पहिया, पासा।
अंश - हिस्सा, कोण का अंश, किरण।
अंबर - आकाश, अमृत, वस्त्र।
अंत - मरण, अवसान, सीमा।
अंजन - काजल, रात, माया, लेप।
अंकुश - रोक, हाथी को वश में करने का लोहे का छोटा अस्त्र।
अंकुर - कोंपल, नोंक, सूजन, रोआँ।
अंक - भाग्य, गिनती के अंक, नाटक के अंक, चिन्ह संख्या, गोद।

मिलते-जुलते शब्दों में अंतर
(समरूप भिन्नार्थक/समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द)– यहाँ पर ऐसे शब्दों के उदाहरण दिए जा रहे है, जो लिखने या बोलने में बहुत हद तक समान होते है, परन्तु उनके अर्थ भिन्न होते है। प्रायः इसी प्रकार के शब्द परीक्षा में पूछे जाते है।

शब्द	**पर्याय**
पुत्री	तनुजा
यमुना	तनूजा
आम	अंब
पार्वती	अंबा
जल	अंबु
सूर्य	तरणि
यमुना	तरणि
नाव	तरणी
युवती	तरुणी
तरनी	खोमचा रखने का डमरु की शक्ल का पात्र
कमल	पदम्

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

लक्ष्मी	पदमा	प्रसाद	कृपा
धरती	उर्वी	प्रासाद	महल
तरंग	उर्मि	तरंग	लहर
रात	त्रियामा	तुरंग	घोड़ा
गंगा	त्रिपथगा	मलिन	मैला
पर्वत	अचल	म्लान	मुरझाया हुआ
पृथ्वी	अचला	हिय	हृदय
नदी	वहिनी	हय	घोड़ा
आग	वहिन	शर	बाण
वायु	अनिल	सर	तालाब
अग्नि	अनल	इंदिरा	लक्ष्मी
मोर	कलापी	इंद्रा	इंद्राणी
मैना	कलहप्रिया	शंकर	शिव
हंस	कलकण्ठ	संकर	मिश्रित
कोयल	कलघोष	रीति	तरीका
पक्षी	विहग, विहंग	रीता	खाली
घोड़ा	तुरग, तुरंग	निर्वाण	मोक्ष
तोता	शुक्र	निर्माण	बनाना
इन्द्र	शक्र	द्रव	तरल पदार्थ
अनार	रामबीज	द्रव्य	धन
नमक	रामरस	चरण	पैर
गाय	सुरभी	चारण	भाट
सुगंध	सुरभि	पानी	जल
हिरन	सुरभी	पाणि	हाथ
स्वर्ण	जातरूप	अश्व	घोड़ा
चाँदी	चंद्रहास	अश्म	पत्थर
तलवार	चंद्रहास	असित	काला
कमल	सरारुह, सरसीरुह	अशित	खाया हुआ
बाल (केश)	शिरोरुह	कुल	वंश
कोयल	परभूत	कूल	किनारा
इन्द्र	पुरुहूत	कलि	कलियुग, झगड़ा
विष्णु	पुरहुति	कली	अधखिला फूल
पत्ता	किसलय	परुष	कठोर
कमल	कुवलय	पुरुष	आदमी
कमल	कंज, कज	गुर	उपाय
ब्रह्मा	अज	गुरु	शिक्षक, भारी
महेश	स्मरारि	ढीठ	दुष्ट, जिद्दी
कामदेव	स्मर	डीठ	दृष्टि
विष्णु	मधुरिपु	सुधि	स्मरण
इन्द्र	पाकरिपु	सुधी	बुद्धिमान
कबूतर	पारावत	अभेद	अंतर नहीं
समुद्र	पारावार	अभेद्य	न टूटने योग्य
कृष्ण	क्षीरशायी	अचल	– पर्वत
विष्णु	जलाशायी	अचला	– पृथ्वी
अलि	भ्रमर	अंजन	– काजल
आली	सखी	अजन	– अजन्मा, निर्जन
कृति	रचना	अचर	– न चलने वाला
कृती	निपुण, परिश्रमी	अचिर	– शीघ्र, नवीन

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

अनिष्ट	– बुरा	कृपण	– कंजूस
अनिष्ठ	– निष्ठा रहित	कृपाण	– तलवार
अंस	– कन्धा	गदहा	– वैद्य
अंश	– हिस्सा	गधा	– गर्दभ
अवलम्ब	– सहारा	घट	– घड़ा
अविलम्ब	– शीघ्र	घाट	– नदी का तट
अविज्ञ	– मूर्ख	चित	– सिर के बाल
अभिज्ञ	– विद्वान	चित्त	– मन
अन्त	– समाप्ति	जर	– बुढ़ापा
अन्त्य	– अन्तिम	जरा	– पृथ्वी, थोड़ा
अजर	– जवान, देवता	जरठ	– अति वृद्ध
अजिर	– आँगन, बाड़ा	जठर	– पेट
अमूल	– बिना जड़ का	नग	– पर्वत
अमूल्य	– अनमोल	नाग	– सर्प, हाथी
अवयव	– अंग	प्रदीप	– दीपक
अव्यय	– अविकारी शब्द	प्रतीप	– उल्टा
अर्घ	– मूल्य	प्रथा	– परम्परा
अर्घ्य	– पूजा	पृथा	– कुन्ती
अग	– न जलने वाला	पवन	– हवा
आग	– अग्नि	पावन	– पवित्र
असक्त	– असमर्थ	प्रेषित	– भेजा हुआ
आसक्त	– मोहित	प्रोषित	– प्रवासी
अभय	– भय रहित	परिणाम	– नतीजा
उभय	– दोनों	परिमाण	– मात्रा
अस्त	– डूब जाना	प्रमाण	– सबूत, नाप
अस्तु	– अच्छा, खैर	प्रणाम	– नमस्कार
अपकार	– बुराई करना	प्रतीहार	– द्वारपाल
उपकार	– भलाई करना	प्रत्याहार	– वापस चलना
आदि	– प्रारम्भ	बलाक	– बगुला
आदी	– अभ्यस्त, आदत	बलाहक	– बादल
आर्द्र	– गीला	ब्याल	– सर्प
आर्द्रा	– एक नक्षत्र	ब्यालू	– रात्रि का भोजन
आभाष	– भूमिका	मणि	– रत्न
आभास	– झलक	मणी	– साँप की मणी
ऋत	– सत्य	मरीचि	– किरण
ऋतु	– मौसम	मरीची	– सूर्य
करि	– हाथी	मुकुर	– दर्पण
कीर	– तोता	मुकुट	– ताज
करकट	– कचरा	लगन	– चाव, उत्साह
कर्कट	– केकड़ा	लग्न	– शुभ मुहूर्त
कपिश	– मटमैला रंग	विदुर	– पण्डित
कपीश	– हनुमान, सुग्रीव	विधुर	– जिसकी पत्नी मर गई हो
केत	– घर	शकल	– टुकड़ा
केतु	– पताका, ध्वजा	सकल	– सम्पूर्ण
कृत	– किया हुआ	शम	– शान्ति
क्रीत	– खरीदा हुआ	सम	– समान
कृति	– रचना	शप्त	– शापित
कृती	– रचनाकार, चतुर	सप्त	– सात

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

शाला	– स्थान	शचि	– इन्द्र की पत्नी
साला	– पत्नी का भाई	हल	– व्यंजन
शान्त	– चुप	हल	– समाधान
सान्त	– अन्त सहित	ज्ञेय	– जानने योग्य
शुक	– तोता	गेय	– गाने योग्य
शुक्र	– शक्ति, दैत्य गुरु		
शुचि	– पवित्र		

Disclaimar– सामान्य हिंदी की इस पुस्तिका को लिखने में मानक हिंदी की विभिन्न पुस्तकों एवं विश्वशनीय स्रोतों का सन्दर्भ ग्रहण किया गया है, परन्तु हिंदी के मानकीकरण विशेषकर वर्तनी शुद्दिकरण में विभिन्न विद्वानों की पुस्तकों में प्रायः मतभेद दिखता है, जिसके कारण भिन्न-भिन्न लेखकों की पुस्तकों में भिन्नता परिलक्षित होती है। फिर भी इस पुस्तिका को यथा-संभव त्रुटिरहित एवं मानक हिंदी के अनुरूप बनाने का भरसक एवं सर्वोत्तम प्रयास किया गया है। धन्यवाद!

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

Daily Current Affairs PDF, Best Test Series, Best GK PDF के लिए हमें Follow करें

हमें FOLLOW करें

- Telegram
- Whatsapp
- Instagram
- Apps
- Youtube

GK Trick By Nitin Gupta
The Ultimate Key to Success.

Welcome To

GK TRICK BY NITIN GUPTA APP

यहाँ पर आपको मिलेगा

- Best PDF Notes For All Exams
- Best Test Series For All Exams
- Daily Current Affairs PDF
- सभी Course बहुत ही कम Price पर
- सभी Test Detail Discription के साथ व Analysis करने को सुविधा